जे बी शाह कालेज का शिविर सम्पन्न

माई झुं. न्यूज। जेबी शाह गर्ल्स कालेज की एनएसएस इकाई का एक दिवसीय शिविर शनिवार को श्री बंधे का बालाजी मंदिर में लगा। इस अवसर पर प्राचार्या मधुलिका सक्सेना ने छात्राओं को राष्ट्र सेवा की शपथ ग्रहण करवाई।

प्राचार्या ने कहा कि नारी अपने सम्मान की रक्षा खुद कर सकती है। इसके लिए शिक्षित होना जरूरी है। एनएसएस प्रभारी डॉ. मनोरमा त्यागी ने छात्राओं को एनएसएस के उदेश्यों से अवगत कराया। इस अवसर पर ईकाई की ओर से मंदिर परिसर में पौधे लगाए गए। छात्राओं ने घास के मैदान की सफाई की। इस दौरान छात्राओं को पर्यावरण सुरक्षा व जल संरक्षण व संग्रहण की जानकारी दी गई।

हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबन्धन पर्व

माई झुं. न्यूज। जिले में रक्षाबन्धन पर्व हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया। घरों में खीर चूरमा बनाकर घरों, व्यवसाय स्थलों के बाहर बनाये गये सूणों को जिमाया गया। बहिनों ने अपने भाइयों के हाथों पर रक्षा सूत्र बांधे तथा मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर श्रावणी कर्म इत्यादि कार्य विप्रजनों द्वारा सम्पन्न किये गये। विप्रजनों से भी रक्षा सूत्र बंधवाने की परम्परा प्राचीन रूप से चली आ रही है। हालांकि बदलते जमाने के साथ युवाओं का रूझान ई-राखी, एस एम एस, फोन, मोबाईल तथा सादी राखियों की जगह रंग बिरंगी नई चलन वाली राखियों की तरफ पूर्ण रूप से देखा जा रहा है।

अश्रुपुरित श्रद्धांजली

स्व. श्रीमती गिन्नी देवी जालान
धर्मपत्नी स्व. श्री नथमल जी जालान
पुण्य तिथि 11 अगस्त 2007

आपकी प्रेरणा, त्याग, सादगीपूर्ण जीवन, दयाभाव व मधुर व्यवहार सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा सभी पारिवारजन आपको अश्रुपुरित श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत:-
सुपुत्र प्रमोद कुमार जालान एवं कृष्ण कुमार जालान
फर्म झाबरमल नथमल जालान
कपड़ा बाजार, झुंझुनूं
फोन 01592-234593, 232731

पुलिस महानिरक्षक ग्वाला ने किया वृक्षारोपण

माई झुं. न्यूज। नूआं के शहीद इश्तियाक अली प्राथमिक विद्यालय में राजस्थान पत्रिका के हरयाळो राजस्थान अभियान के तहत मटका पद्धति से हुए पौधारोपण कार्यक्रम में बोलते हुए पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज बीआर ग्वाला ने कहा कि राजस्थान में झुंझुनू जिला महिला शिक्षा में अव्वल है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सबसे ज्यादा कमी हैं तो पानी की है। ऐसे में मटका पद्धति सबसे ज्यादा कारगर साबित होगी। इससे विधि से पानी व्यर्थ नहीं जाएगा। पर्यावरण को शुद्ध करना भी प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य में शामिल हैं। उन्होंने इस विधि के लिए उपखण्ड अधिकारी डा. भागचन्द बधाल को बधाई देते हुए कहा कि निश्चित ही यह विधि कम पानी वाले क्षेत्र में वरदान साबित होगी। जिला कलक्टर दिनेश कुमार ने कहा कि पर्यवरण को शुद्ध रखना भी अपना कर्तव्य हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे इस अभियान में आगे आए। उन्होंने गांव को निर्मल गांव बनाने के लिए भी उपस्थित ग्रामीणों से सहयोग के लिए कहा। इस बार जिले के करीब ४० गांवों को निर्मल गांव बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से खुले में शौच पर रोक लगाने, हर घर में शौचालय बनाने तथा गांव में सोखते गड्डे बनाने पर जोर दिया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौतम मुखर्जी ने कहा कि वर्तमान में पानी का स्तर काफी नीचे जा रहा है, आने वाले समय में लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में मटका पद्धति काफी कारगर होगी। उन्होंने बताया कि इस पद्धति से ९० प्रतिशत तक पानी बचाया जा सकता है। उन्होंने जलग्रहण परियोजना की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक सचिन मित्तल ने पर्यावरण के शुद्धिकरण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की बात कही।

उपखण्ड अधिकारी डा. भागचन्द बधाल ने मटका पद्धति की जानकारी देते हुए बताया कि इस पद्धति से ९५ प्रतिशत पौधों को जीवित रखा जा सकता हैं। उन्होंने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक प्रताप सिंह सेवदा, सरपंच आबिद अली, भगवती वाटिका के विमलेश पूनिया, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कालूराम महला सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

आओ वृक्ष लगाएँ

सिंचाई की पुरातन पद्धति को पुनर्जीवित करने की पहल करें।

वृक्षारोपण की घड़ा पद्धति (मटका पद्धति)

दिनेश कुमार
जिला कलक्टर, झुंझुनूं

डॉ भागचन्द बधाल
उप जिला कलक्टर, झुंझुनूं

हम सौभागयशाली हैं कि हमें हमारे पुरखों से न्यूनतम जल की आवश्यकता वाली सिंचाई पद्धति विरासत में मिली है। यह पद्धति पौधारोपण केलिए हर दृष्टि से सर्वोत्तम है।

चित्र:- सिंचाई की घड़ा पद्धति का चित्र

इस पद्धति में पीने के पानी वाले घड़े सिंचाई हेतु काम में लिये जाते हैं। करीब 3 इंच लम्बी खाई घड़े की चौड़ाई जितनी चौड़ी व घड़े की गहराई जितनी गहरी खोदते हैं तथा घड़े को इस खाई के बीच में रखकर खाई को पुन: मिट्‌टी से भर देते हैं। एक घड़े से दूसरे घड़े की दूरी पौधों के प्रकार पर निर्भर करती है जैसे नीम, खेजड़ी, रोहिड़ा, शीशम इत्यादि के लिए घड़े 5-6 मीटर की की दूरी पर लगाये जा सक्ते हैं। घड़े के दोनों तरफ या एक ओर पेड़ लगा दिए जाते हैं तथा घड़े को पानी से भर दिया जाता है। यदि घड़ा पुराना रूआ है तो पेड़ों की तरफ घड़े केपार्श्व में सुई के आकार का एक छेद कर दिया जावे और यदि घड़ा नया है तो छेद करने की आवश्यकता नहीं क्योंकि नये घड़े से पानी का रिसाव पौधों की आवश्सकतानुसार जड़ों तक होता रहता है। इस विधि में पानी की ओर बचत करने हेतु घड़ें को पानी से भरने के पश्चात उसके मुंह को ढकनी से ढक दिया जाना चाहिए। पानी की और अधिक बचत करने के लिए जिस तरफ पेड़ नहीं लगावें उस तरफ घड़ें की बाहरी सतह को ऐसे पदार्थ से पेन्ट (जैसे प्लास्टिक पेन्ट) किया जा सकता है जिससे पानी का रिसाव उस दिशा में न हो। इस पद्धति के लाभ:-

1.पानी की बचत 80 प्रतिशत तक की जा सकती है। 2. पौधों की मृत्यु दर (Mortality Rate) में काफी कमी आ जाती है अर्थात जीवितता दर (Survival Rate) काफी बढ जाती है। इस पद्धति से जीवितता दर 90 प्रतिशत तक प्राप्त की जा सकती है।

$$\text{जीवितता दर (\%)} = \frac{\text{नष्ट हुए पौधों की प्रति हैक्टर}}{\text{एक हैक्टेयर में लगाये गये कुल पौधों की संख्या}} \times 100$$

3. पद्धति से लवणीय भूमियों में पौधे आसानी से लगाये जा सकते हैं क्यों कि पानी के रिसाव के साथ लवण घुलकर पौधों की जड़ों से दूर हो जाते हैं। 4. इस पद्धति से फलदार वृक्ष लगाये जावें तो दोहरा लाभ मिल सकता है।
5. वन विभाग द्वारा अगर इस पद्धति से वृक्षारोपण कराया जावे तो वन क्षेत्र में वृद्धि निश्चित है तथा घटते वन क्षेत्रों में कमी लाई जा सकती है। 6. पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण की यह सर्वोत्तम तकनीक है।

अगर सिंचाई की इस पद्धति का कार्यकारी मॉडल (Working Modal) देखना हो तो उप खण्ड अधिकारी, झुंझुनूं के आवास, ग्राम खीदरसर की बिदोकनी जोहड़ी में 220 के.वी., जी.एस.एस. केपास तथा ग्राम भोजासर में अवलोकन किया जा सकता है। कृपया उक्त पद्धति से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें। वृक्ष हमारा भविष्य हैं।

घड़ा पद्धति से वृक्षारोपण कर जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

जिला परिषद में ग्रामीण प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न

माई झुं. न्यूज। जिला परिषद सभागार में जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला की अध्यक्षता में मंगलवार को ग्रामीण प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गयी जिसमें जिप सदस्य खलील बुडाना ने एसजेएसवाई योजना में अल्पसंख्यक समुदाय के गांव और मोहल्लों से प्राप्त प्रस्तावों को प्राथमिकता देने के मुद्दा उठाने पर जिला प्रमुख ने अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में टीएफसी के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों के प्रस्ताव प्रमुख को सौंपे। इस अवसर पर जिप के कार्यकारी अधिकारी गौतम मुखर्जी, एईएन जसवीरसिंह, निशा चौधरी, जिप सदस्य सुशीला सीगडा, विद्याधर बुडानिया, विजयपाल धनकड़, सजनपाल, राजकुमार ढाका, राजू सैनी, सुमित्रा आदि मौजूद थे। अंत में जिला प्रमुख ने सभी को 61 वें स्वतंत्रता दिवस की बधाइयां दीं। बैठक में जिप द्वारा संचालित सभी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

सिटी ग्रेटर लायन्स क्लब ने बांटी पाठ्य सामग्री

माई झुं. न्यूज। सिटी ग्रेटर लायंस क्लब द्वारा अब्दुल रशीद टांक व अब्दुल करीम टांक एडवोकेट के आर्थिक सौजन्य से सोमवार को जरूरतमंद बच्चों को स्कूल ड्रेस व बैग वितरित किये गये। नेहरू बाल निकेतन में बच्चों को सामग्री वितरित करते हुए लायन प्रांतपाल एमजेएफ श्रवण केजड़ीवाल ने कठोर परिश्रम व दृढ़ निश्चय से पढने को कहा। उन्होनें छात्र-छात्राओं की अभिरूचियों की जानकारी भी ली। क्लब अध्यक्ष लायन मनीराम बुडानिया ने दो विद्यार्थियों को गोद लेने की घोषणा की। इस मौके पर वरिष्ठ लायन सुरेश रोहिल्ला, पूर्णसिंह सैनी, मोहम्मद शफी टाक, महेन्द्र सैनी, अकराज कुरेशी, मुकेश व्यास, सचिव डा. सुरेन्द्र सैनी, बिहारीलाल सैनी सहित अन्यजन उपस्थित थे।

माई झु. न्यूज। मुम्बई में आयोजित माताजी की चौकी कार्यक्रम में भक्ति संगीत के कार्यक्रम में श्रीमती शशि कुकरेजा एवं राजेन्द्र नांगलिया एवं अन्य भक्तगण।

मुम्बई समाचार

रामगोपाल नांगलिया का सम्मान:- माई झु. न्यूज। गोयनका हाल जेबीनगर में स्थानीय मुम्बई विधायक सीताराम दलवी द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी रामगोपाल नांगलिया का सम्मान शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह द्वारा 27 जुलाई 07 को किया गया।

मेघावी छात्रों का सम्मान:- माई झुं. न्यूज। गोयनका हाल जेबी नगर में 27 जुलाई को शिवसेना अंधेरी शाखा द्वारा 300 मेघावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया जिनमें हर्ष सुपुत्र सुनील नांगलिया को 90 प्रतिशत प्राप्तांक तथा दीपक सुपुत्र राजेन्द्र नांगलिया को 74.4 प्रतिशत प्राप्तांक हेतु सम्मानित किया गया।

श्यामबाबा का अखण्ड ज्योत पाठ : माई झुं.न्यूज। जेबी नगर स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में नांगलिया परिवार द्वारा श्री श्यामबाबा का अखण्ड ज्योत पाठ का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजनों द्वारा श्यामबाबा का पाठ, गुणगान इत्यादि धार्मिक कार्यक्रम हुए।

सीतसर मंदिर प्रांगण में संगोष्ठी

माई झुं. न्यूज। धार्मिक आस्था का केन्द्र सीतसर बालाजी मंदिर प्रांगण में मंगलवार को जिला पर्यावरण सुधार समिति द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत माता शक्ति पीठ के श्यामसुंदर दास महाराज ने कहा कि वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के साथ-साथ व्यक्ति को विचार प्रदूषण पर भी रोक लगानी चाहिए।

उन्होनें कहा कि हिंदू धर्म में पीपल व बड़ के साथ तुलसी के पेड़ का विशेष महत्व है। नेहरू युवा केन्द्र के जिला समन्वयक प्रो. केएन हरित ने कहा कि हर धर्म में पेड़ का महत्व है। सरकार के साथ-साथ स्वयं सेवी संगठनों को भी पर्यावरण शुद्धता के लिए शंखनाद करना होगा। गांगियासर सरपंच सांवत खां ने शेखावाटी बोल में दरखत टेम जुगाड़ की व्यवस्था की। दरगाह हजरत कमरूद्दीन शाह के गद्दीनशीन एजाज नबी, खेतड़ीनगर के सरदार एस जीतसिंह, पूर्व पालिकाध्यक्ष पवन पुजारी, संस्था सचिव सुरेंन्द्रजीतसिंह, संस्था अध्यक्ष राजेश अग्रवाल आदि ने अपने-अपने विचार रखे। संचालन राष्ट्रीय एकता अभियान के प्रदेश प्रभारी एनएन पारीक ने किया।

गोष्ठी को एएसपी वीकेगौड़ ने भी संबोधित किया। इस मौके पर दिल्ली के सचिन, डॉ. एलएन शर्मा, बीरबल आबूसर, पशुपालन उपनिदेशक डा. प्रदीप सारस्वत, डीआईसी महाप्रबंधक एसपी ढेंडवाल, तहसीलदार नारायणलाल रेवाड़, जिला उद्योग अधिकारी मनीराम, खादी आयोग के विद्याधर झाझड़िया, एडवोकेट मुस्ताक अहमद सहित अन्यजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रसाद सवामणी का भी आयोजन किया गया।

संस्कृत दिवस मनाया एवं रैली निकाली

माई झुं.न्यूज। गायत्री आदर्श विद्या मंदिर प्रवेशिका विद्यालय में संस्कृत दिवस का आयोजन मुख्य अतिथि समाज सेवी आत्माराम टिबड़ेवाल, विशिष्ट अतिथि नगरपालिका आयुक्त राजेन्द्र जोशी एवं सीओ स्काउट मान महेन्द्रसिंह भाटी की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इससे पूर्व शहर के प्रमुख मार्गों से रैली भी निकाली गयी।

महावीरप्रसाद घ. सराफ द्वारा मील पत्थर बनीं मुम्बई की 15,000 बेंचे

माई झुं. न्यूज। घनश्यामदास सराफ ट्रस्ट शहर के बगीचों, मैदानों, खेलकूद संकुलों, पुलिस स्टेशनों, पुलिस चौकियों, रोड़ परिवहन दफ्तरों, अस्पतालों, श्मशानों, समुद्रतटों, युनिवर्सिटी, कॉलेजों, स्कूलों, मंदिरों, गुरूद्वारों, गिरिजाघरों आदि स्थानों पर स्थापित बेंचों ने 15000 के जादुई आंकड़ों को छू लिया है। समाजसेवी महावीरप्रसाद घ.सराफ की इस विलक्षण, अकल्पनीय समाजसेवा के लिए लिम्का बुक ने रोड साईड हास्पिटालिसी शीर्षक के अंतर्गत तीन बार सर्वोच्च बेंचे स्थापित करने के उपलक्ष्य में उक्त ट्रस्ट का नाम दर्ज किया है। इतना ही नहीं देश की सबसे धनी महानगरपालिका (मुम्बई) के आयुक्तों ने भी इस कार्य को मील का पत्थर मानते हुए उन्हें सम्मानित भी किया है।

सेंसेक्स पावन की तरह लगातार शीर्ष पर जाति महावीर प्रसाद घ. सराफ की यह समाज सेवा यूं ही नहीं जन्मीं। हर सुख के पीछे एक मार्मिक पक्ष भी खड़ा होता है। इस समाज सेवा का अंकुर महावीर प्रसाद घ. सराफ के मन में तब फूटा जब वर्षों पूर्व उन्होनें शहर के जुहु कोरोनर्स कोर्ट में अपने स्वजनों की मृतदेह पाने के लिए घंटों खड़े इंतजार करते हुए लोगों को देखा। यहीं से मन में एक संकल्प जन्मा। वर्ष 1995 माह जनवरी को सराफ ने जुहु कोरोनर्स कोर्ट, कूपर अस्पताल परिसर में बेंचों का बिखा रोपा। अद्भुत रूप से आज इनकी संख्या 15000 के पार हो गई है। जनसेवा का जज्बा अभी भी उफान पर है। शहर की सुख-सुविधा और सुंदरता में चार-चांद लगाने का कार्य यह ट्रस्ट अब भी अबाधित रूप से कर रहा है।

सिर्फ बेंचे ही नही हैं महावीरप्रसाद की उपलब्धियां हैं। इसके अलावा उनकी समाजसेवा के और भी पड़ाव हैं। अनेक धर्मादा अतिविधियों से भी वे जुड़े हुए हैं। समाज-कल्याण, बाल व महिला उत्थान, शैक्षणिक, खेलकूद, स्वास्थ्य व चिकित्सा सुधार, विकलांग पुनर्वास, कला-साहित्य संस्कृति को प्रोत्साहन की उनकी सूची काफी लंबी है।